अंक योजना
अति गोपनीय
(केवल आंतरिक और सीमित उपयोग हेतु)
सेकंडरी स्कूल वार्षिक परीक्षा, 2026 (X)
विषय – सामाजिक विज्ञान (087)
पेपर कोड– 32/4/1

सामान्य निर्देश:-

1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में आकलन प्रक्रिया सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
2.	**मूल्यांकन प्रक्रिया गोपनीय नीति का एक हिस्सा है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।**
3.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का नियमतः पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं अथवा नवाचारी हैं, यदि वह ठीक है उसका मूल्यांकन कर उसे उचित अंक प्रदान करें अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 10वीं कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन परीक्षार्थियों द्वारा सही योग्यता प्रदर्शित की गई हो तो उसे उचित अंक प्रदान कीजिए।
4.	प्रश्न पत्र को चार (04) खंडों में विभाजित किया गया है, अर्थात् खंड–क, खंड–ख, खंड–ग और खंड–घ। खंड–क इतिहास है, खंड–ख भूगोल है, खंड–ग राजनीति विज्ञान है और खंड–घ अर्थशास्त्र हैं 1- उत्तर लिखने के लिए विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान की उत्तर–पुस्तिका को 04 खंडों में विभाजित करेंगे। 2- प्रश्नों के उत्तर केवल संबंधित खंड के लिए निर्धारित स्थान के भीतर ही लिखे जाने हैं। 3- किसी एक खंड का उत्तर किसी अन्य खंड में नहीं लिखा जाना चाहिए और न ही उसके साथ मिलाया जाना चाहिए। 4- यदि उत्तर आपस में मिल जाते हैं, तो उनका मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और कोई अंक प्रदान नहीं किए जाएंगे। 5- परिणाम घोषित होने के बाद सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान भी ऐसी गलतियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही उन पर कोई विचार किया जाएगा।
5.	अंक– योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में है और सम्पूर्ण उत्तर नहीं हैं । विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक प्रदान किए जाने चाहिए।
6.	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है । यदि मूल्यांकन में अंतर है तो चर्चा एवं संवाद से उसे अंतर को समाप्त किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तर पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएं कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के मध्य महत्वपूर्ण अंतरों को समाप्त किया जा चुका है।
7.	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। बहुधा मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का चिन्ह नहीं लगाते जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे सामान्य गलती है जो मूल्यांकनकर्ता लगातार कर रहे हैं।

8.	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
9.	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
10.	यदि किसी परीक्षार्थी ने एक प्रश्न को दुबारा हल किया है , तो अधिक अंक वाले प्रयास की गणना मूल्याकंन के लिए किया जाना चाहिए। अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रष्न लिखिए।
11.	एक ही प्रकार की गलतियों के लिए संचयी प्रभाव से अंक नहीं काटा जाए। इसके लिए लिए केवल एक बार अंक काटा जाएगा।
12.	अंकों का एक पूर्ण पैमाने .....80..... (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 70 / 60 / 50 / 40 / 30 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
13.	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।
14.	सुनिश्चित करें कि पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियों को आप नहीं दोहराएँ: • उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना। • किसी उत्तर के लिए निश्चित किए गए अंक से अधिक अंक प्रदान करना। • एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नवार गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना। • उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन अवॉर्ड सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण। • उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) • उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
15.	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
16.	किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए।
17.	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशा–निर्देशों में दिए गए दिशा–निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।
18.	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों को शब्दों में लिखा गया है।.
19.	बोर्ड उम्मीदवारों के आवेदक के अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और संबंधित शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन का अवसर भी प्रदान करता है। मुख्य परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षको को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

अंकन योजना
सामाजिक विज्ञान (विषय कोड- 087)
(पेपर कोड: 32/4/1)-2026 Set-1

अधिकतम अंक: 80

प्रश्न सं.	अपेक्षित मूल्य बिंदु	पृष्ठ सं.	अंक
	खंड – क **(इतिहास)**		**20**
1.	(C) IV, III, II, I	**35,38, 41,44**	**1**
2.	(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।	**55**	**1**
3.	(D) पुस्तक निर्माण **नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 3 के स्थान पर दिया गया है।** (D) बाटला	**105** **125**	**1** **1**
4.	(C) ज्योतिबा फुले - गुलामगिरी	**126**	**1**
5.(a)	**'पूर्व-आधुनिक समय में खाद्य पदार्थ दूर देशों के बीच सांस्कृतिक आदान- प्रदान के कई उदाहरण पेश करते थे।' इस कथन की व्याख्या किन्हीं दो उदाहरणों के साथ कीजिए।** (i) आलू, सोया, मूंगफली, मक्का, टमाटर, मिर्च, शकरकंद आदि जैसे आम खाद्य पदार्थ अमेरिका से यूरोप और एशिया में लाए गए माने जाते हैं। (ii) स्पेगेटी और नूडल्स चीन से पश्चिम की ओर पहुँचे। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**54**	**2x1 =2**
	अथवा		
5.(b)	**'पूर्व-आधुनिक समय में व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान दोनों क्रियाएँ साथ चलती थीं।' इस कथन की व्याख्या किन्हीं दो उदाहरणों के साथ कीजिए।** (i) रेशम मार्ग दुनिया के दूर-दूर स्थित भागों के बीच आधुनिक काल से पहले के व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों का एक उदाहरण हैं। (ii) चीनी रेशम, मिट्टी के बर्तन और भारत तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के वस्त्र यूरोप तक जाते थे, और कीमती धातुएँ यूरोप से एशिया की ओर आती थीं। (iii) शुरुआती काल के ईसाई मिशनरी और मुस्लिम उपदेशक एशिया आने के लिए इसी रास्ते का इस्तेमाल करते थे। (iv) बौद्ध धर्म पूर्वी भारत से उभरा और रेशम मार्ग की विविध शाखाओं से कई दिशाओं में फ़ैल गया। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**54**	**2x1 =2**

6.(a)	**फ्रांसीसी क्रांति में मुद्रण की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।** (i) छपाई ने ज्ञानोदय (Enlightenment) के विचारकों के विचारों को लोकप्रिय बनाया। (ii) उनके लेखन ने परंपरा, अंधविश्वास और निरंकुशवाद की आलोचना पेश की। (iii) उन्होंने रीति-रिवाजों के जगह विवेक के शासन पर बल दिया और यह मांग की कि हर चीज़ को तर्क और विवेक की कसौटी पर परखा जाए। (iv) उन्होंने चर्च की धार्मिक और राज्य की निरंकुश सत्ता पर प्रहार करके परंपरा पर आधारित सामाजिक व्यवस्था को दुर्बल कर दिया। (v) वॉल्टेयर और रूसो के लेखन का व्यापक पाठक वर्ग था और उनके पाठक एक नए, आलोचनात्मक, सवालिया और तार्किक नज़र से दुनिया को देखने लगे थे। (vi) छपाई ने संवाद और वाद-विवाद की एक नई संस्कृति को जन्म दिया। (vii) सारे पुराने मूल्य, संस्थाओं, और कायदों पर आम जनता के बीच बहस- मुबाहिसे हुए और उनका पुनर्मूल्यांकन का सिलसिला शुरू हुआ। (viii) 1780 के दशक तक साहित्य की एक ऐसी बाढ़ आ गई थी, जिसमें राजशाही का मज़ाक उड़ाया गया, उनकी नैतिकता की आलोचना की गई और मौजूदा सामाजिक व्यवस्था पर सवाल उठाए गए। (ix) कार्टून और कैरीकेचरों में यह भाव उभरा कि जनता मुश्किलों में फंसी रहती है और राजशाही भोग-विलास में डूबी हुई है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन अपेक्षित है।)**	**115**	**3x1 =3**
	अथवा		
6.(b)	**मुद्रण संस्कृति में बौद्ध प्रचारकों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।** (i) चीन से आए बौद्ध प्रचारकों ने लगभग 768-770 ई. में जापान में हाथ से छपाई करने की तकनीक लेकर आये। (ii) 868 ई. में छपी जापान की सबसे पुरानी किताब, बौद्ध 'डायमंड सूत्र' है; जिसमें पाठ के छह पन्ने और काठ पर खुदे चित्र हैं। (iii) कपड़ों, ताश के पत्तों और कागज़ी मुद्रा पर भी तस्वीरें छापी जाती थीं। (iv) अठारहवीं सदी के आखिर में, एदो (जिसे बाद में टोक्यो के नाम से जाना गया) के शहरी इलाकों की चित्रकारी में शालीन शहरी संस्कृति का पता मिलता है। (v) हाथ से मुद्रित तरह-तरह की सामग्री- महिलाओं, संगीत के साजों, हिसाब-किताब, चाय अनुष्ठान, फूल-साज़ी, शिष्टाचार और रसोई पर लिखी किताबों से पुस्तकालय एवं दुकाने भरी पड़ी थी। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन अपेक्षित है।)**	**106**	**3x1 =3**
7.(a)	**जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।** (i) मध्यवर्गीय जर्मन लोगों में राष्ट्रवादी भावनाएं काफी व्याप्त थीं और उन्होंने 1848 में जर्मन महासंघ के विभिन्न इलाकों को जोड़कर एक निर्वाचित संसद द्वारा शासित राष्ट्र-राज्य बनाने का प्रयास किया था। (ii) राष्ट्र-निर्माण की इस उदारवादी पहल को राजशाही और सेना की संयुक्त ताकतों द्वारा दबा दिया गया, जिन्हें प्रशा के बड़े भूस्वामियों (जिन्हें 'जंकर्स' कहा जाता था) का समर्थन प्राप्त था। (iii) उसके पश्चात प्रशा ने राष्ट्रीय एकीकरण के आंदोलन का नेतृत्व संभाला।	**19**	**5x1 =5**

	(iv) उसका प्रमुख मंत्री, ऑटो वॉन बिस्मार्क, इस प्रक्रिया का जनक था, जिसने प्रशा की सेना और नौकरशाही की मदद ली। (v) सात वर्षों के दौरान लड़े गए तीन युद्ध – ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और फ्रांस के साथ – प्रशा की विजय के साथ समाप्त हुए और इस प्रकार एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई। (vi) जनवरी 1871 में, वर्साय में आयोजित एक समारोह में प्रशा के राजा, विलियम प्रथम, को जर्मन सम्राट घोषित किया गया। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)** **अथवा**		
7.(b)	**इटली के एकीकरण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।** (i) उन्नीसवीं सदी के मध्य में, इटली सात राज्यों में बँटा हुआ था, जिनमें से केवल एक, सार्डिनिया-पीडमोंट, पर एक इतालवी राजघराने का शासन था। (ii) उत्तरी भाग ऑस्ट्रियाई हैब्सबर्ग के अधीन था, मध्य भाग पर पोप का शासन था और दक्षिणी क्षेत्र स्पेन के बूर्बो राजाओं के अधीन थे। (iii) 1830 के दशक के दौरान, ज्यूसेपे मेज़िनी ने एक एकीकृत इतालवी गणराज्य के लिए एक सुविचारित कार्यक्रम प्रस्तुत करने की कोशिश की थी। (iv) उन्होंने अपने उद्दश्यों के प्रसार के लिए 'यंग इटली' नामक एक गुप्त संगठन भी बनाया था। (v) 1831 और 1848 में क्रांतिकारी विद्रोहों की असफलता का अर्थ से इतालवी राज्यों को युद्ध के जरिये जोड़ने की ज़िम्मेदारी सार्डिनिया-पीडमोंट के शासक विक्टर इमैनुएल द्वितीय पर आ गयी। (vi) इस क्षेत्र के शासक अभिजात वर्ग की नज़रों में एकीकृत इटली उनके लिए आर्थिक विकास और राजनीतिक प्रभुत्व की संभावनाएं उत्पन्न करता था। (vii) मंत्री-प्रमुख कावूर, जिसने इटली के प्रदेशों को एकीकृत करने वाले आन्दोलन का नेतृत्व किया, द्वारा फ्रांस के साथ की गई एक कूटनीतिक संधि के माध्यम से, सार्डिनिया-पीडमोंट 1859 में ऑस्ट्रियाई सेनाओं को हराने में सफल रहा। (viii) नियमित सैनिकों के अलावा, ज्यूसेपे गैरीबाल्डी के नेतृत्व में भारी संख्या में सशस्त्र स्वयंसेवकों नें भी इस युद्ध में हिस्सा लिया। (ix) 1860 में, वे दक्षिणी इटली और 'दो सिसिलियों के राज्य' (Kingdom of the Two Sicilies) में प्रवेश कर गए और स्पेनी शासकों को हटाने के लिए स्थानीय किसानों का समर्थन प्राप्त करने में सफल रहे। (x) 1861 में, विक्टर इमैनुएल द्वितीय को एकीकृत इटली का राजा घोषित किया गया। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	**20**	**5x1 =5**

8.	**दिए गए स्रोत को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे दी गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** **भारत छोड़ो आंदोलन** क्रिप्स मिशन की असफलता एवं द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभावों ने भारत में व्यापक असंतोष को जन्म दिया । इसके फलस्वरूप गांधीजी ने एक आंदोलन शुरू किया, जिसमें उन्होंने अंग्रेज़ों के पूरी तरह से भारत छोड़ने पर जोर दिया । वर्धा में 14 जुलाई, 1942 को अपनी कार्यकारिणी में कांग्रेस कार्य समिति ने ऐतिहासिक 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया, जिसमें सत्ता का भारतीयों को तत्काल हस्तांतरण एवं भारत छोड़ने की माँग की गई । 8 अगस्त, 1942 को बंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसमें पूरे देश में व्यापक पैमाने पर एक अहिंसक जन संघर्ष का आह्वान किया गया । इसी अवसर पर गांधीजी ने प्रसिद्ध 'करो या मरो' भाषण दिया था । 'भारत छोड़ो' के इस आह्वान ने देश के अधिकतर हिस्सों में राज्य–व्यवस्था को ठप्प कर दिया, लोग स्वतः ही आन्दोलन में कूद पड़े । लोगों ने हड़तालें कीं और राष्ट्रीय गीतों एवं नारों के साथ प्रदर्शन किए एवं जुलूस निकाले । यह आंदोलन वास्तव में एक जन आन्दोलन था जिसमें छात्र, मज़दूर और किसान जैसे हजारों साधारण लोगों ने हिस्सा लिया । इसमें नेताओं की सक्रिय भागीदारी भी देखी गई जिनमें जयप्रकाश नारायण, अरुणा आसफ अली एवं राम मनोहर लोहिया और बहुत सारी महिलाएँ जैसे बंगाल से मातांगिनी हाजरा, असम से कनकलता बरूआ और उड़ीसा से रमा देवी थीं । अंग्रेजों द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग के बावजूद इसे दबाने में एक वर्ष से अधिक समय लग गया ।	49	1+1 +2= 4
(8.1)	**क्रिप्स मिशन की विफलता ने किस प्रकार भारत छोड़ो आंदोलन को प्रारंभ करने में योगदान दिया? (1)** (i) क्रिप्स मिशन की विफलता ने भारत में व्यापक असंतोष पैदा कर दिया। इसके परिणामस्वरूप, गांधीजी ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' शुरू किया, जिसमें उन्होंने अंग्रेजों से भारत से पूरी तरह चले जाने की मांग की। (ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।)**		
(8.2)	**गांधीजी का 'भारत छोड़ो' का आह्वान ऐतिहासिक क्यों माना गया? (1)** (i) कांग्रेस कार्यसमिति ने 14 जुलाई 1942 को वर्धा में हुई अपनी बैठक में ऐतिहासिक 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया, जिसमें भारतीयों को तत्काल सत्ता हस्तांतरित करने और भारत छोड़ने की मांग की गई थी। (ii) 8 अगस्त 1942 को बंबई में, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसमें पूरे देश में व्यापक स्तर पर अहिंसक जन-संघर्ष का आह्वान किया गया था। इसी अवसर पर गांधीजी ने अपना प्रसिद्ध 'करो या मरो' भाषण दिया था। (iii) 'भारत छोड़ो' के आह्वान ने देश के बड़े हिस्सों में सरकारी तंत्र को लगभग ठप कर दिया था, क्योंकि लोग स्वेच्छा से इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर शामिल हो गए थे। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।)**		
(8.3)	**भारत छोड़ो आंदोलन को अधिक समावेशी बनाने के लिए महिलाओं की भूमिका की व्याख्या कीजिए। (2x1=2)** (i) भारत छोड़ो आंदोलन में कई महिला नेताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिनमें बंगाल में अरुणा आसफ़ अली और मातंगिनी हाजरा, असम में कनकलता बरुआ और उड़ीसा में रमा देवी आदि प्रमुख हैं। (ii) उन्होंने राष्ट्रीय गीत गाते हुए और नारे लगाते हुए हड़तालों, प्रदर्शनों और जुलूसों में बड़ी संख्या में भाग लिया। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**		

9.	- **कृपया संलग्न मानचित्र देखिए।** **नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परिक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 9 के स्थान पर है।** 9.1. उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ गांधीजी ने नमक कानून को तोड़ा था। **- दांडी** 9.2. उस स्थान का नाम लिखिए 1920 में पूर्वी भारत में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था। **- कलकत्ता (कोलकाता)**		**1+1 =2** **1** **1**
	खंड – ख **(भूगोल)**		
10.	(C) मरुस्थली मृदा	**9**	**1**
11.	(B) टिहरी	**16**	**1**
12.	(D) a-ii, b-iv, c- i , d-iii	**15**	**1**
13.	(A) अधात्विक	**43**	**1**
14.	(D) वन	**5**	**1**
15.	(A) गन्ना	**36**	**1**
16.	**यदि भारत का प्रत्येक किसान आधुनिक कृषि पद्धतियों कोअपनाए, तो गांवों में इससे आने वाले किन्ही दो सकारात्मक परिवर्तनों की व्याख्या कीजिए।** (i) आधुनिक कृषि पद्धतियों से जल और अन्य संसाधनों का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग संभव हो सकेगा। (ii) कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। (iii) आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। (iv) रोज़गार के अधिक अवसर उत्पन्न होंगे। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**38**	**2x1 =2**
17. (a)	**ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में पेट्रोलियम के महत्त्व की परख कीजिए और भारत में इसके वितरण का वर्णन कीजिए।** **ऊर्जा के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में पेट्रोलियम-** (i) पेट्रोलियम या खनिज तेल भारत में कोयले के बाद ऊर्जा का दूसरा प्रमुख स्रोत है। यह ताप और प्रकाश के लिए ईंधन प्रदान करता है। (ii) यह मशीनों के लिए स्नेहक (lubricants) प्रदान करता है। (iii) यह कई विनिर्माण उद्योगों, जैसे- संश्लेषित वस्त्र, उर्वरक और अनेक रासायनिक उद्योगों के लिए कच्चा माल प्रदान करता है। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।) (3x1=3)** **पेट्रोलियम का वितरण** - (i) भारत में मुंबई हाई, गुजरात और असम पेट्रोलियम उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र हैं। (ii) अंकलेश्वर गुजरात का सबसे महत्वपूर्ण तेल क्षेत्र है।	**52**	**3+2 =5**

	(iii) असम भारत का सबसे पुराना तेल उत्पादक राज्य है। (iv) डिगबोई, नहरकटिया और मोरन-हुगरीजन असम के महत्वपूर्ण तेल उत्पादक क्षेत्र हैं। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।) (2x1=2)** **अथवा**		
17. (b)	**उर्जा के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में कोयले के महत्व की परख कीजिए और भारत में इसके वितरण का वर्णन कीजिए।** **कोयला एक महत्वपूर्ण ऊर्जा संसाधन के रूप में-** (i) भारत में कोयला सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध जीवाश्म ईंधन है। यह देश की ऊर्जा आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा पूरा करता है। (ii) इसका उपयोग उर्जा उत्पादन के लिए किया जाता है। (iii) यह उद्योगों एवं घरेलू जरूरतों की ऊर्जा आपूर्ति के लिए भी उपयोग में लाया जाता है। (iv) भारत अपनी वाणिज्यिक ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ती हेतु कोयले पर अत्यधिक निर्भर है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।) (3x1=3)** **भारत में कोयले का वितरण-** (i) लिग्नाइट के मुख्य भंडार तमिलनाडु के नैवेली में हैं और इनका उपयोग विद्युत् उत्पादन के लिए किया जाता है। (ii) गोंडवाना कोयले—जो कि धातुशोधन कोयला है के प्रमुख संसाधन—दामोदर घाटी (पश्चिम बंगाल-झारखंड), झरिया, रानीगंज और बोकारो में स्थित हैं जो यहाँ के महत्वपूर्ण कोयला क्षेत्र हैं। (iii) गोदावरी, महानदी, सोन और वर्धा नदी घाटियों में भी कोयले के भंडार पाए जाते हैं। (iv) टर्शियरी कोयला पूर्वोत्तर राज्यों—मेघालय, असम, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड—में पाया जाता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।) (2x1=2)**	**50**	**3+2 =5**
18.	**दिए गए स्रोत को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** **सरदार सरोवर परियोजना** सरदार सरोवर बाँध गुजरात में नर्मदा नदी पर बनाया गया है । यह भारत की एक बड़ी जल संसाधन परियोजना है जिसमें चार राज्य – महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात तथा राजस्थान सम्मिलित हैं । सरदार सरोवर परियोजना सूखाग्रस्त तथा मरुस्थलीय भागों की जल की आवश्यकता को पूरा करेगी । सरदार सरोवर परियोजना गुजरात के 15 जिलों के 3112 गाँवों के 18.45 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा प्रदान करेगी । इससे राजस्थान के सामरिक महत्त्व के रेगिस्तानी जिलों बाड़मेर और जालौर के 2,46,000 हेक्टेयर की सिंचाई भी होगी तथा महाराष्ट्र के आदिवासी पहाड़ी इलाके में लिफ़्ट के माध्यम से 37,500 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी । गुजरात में लगभग 75 प्रतिशत कमांड क्षेत्र सूखा प्रवण है जबकि राजस्थान में संपूर्ण कमांड क्षेत्र सूखा प्रवण है । सुनिश्चित जल की उपलब्धता जल्द ही इस क्षेत्र को सूखारोधी बना देगी ।	**23**	**1+1 +2= 4**

18.1.	**सरदार सरोवर परियोजना को गुजरात के लिए महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है? (1)** (i) सरदार सरोवर परियोजना 18.45 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा प्रदान करती है, जिसमें गुजरात के 15 जिलों के 3112 गाँव शामिल हैं। (ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।)**		
18.2	**सरदार सरोवर परियोजना में चार राज्यों को क्यों शामिल किया गया? (1)** (i) सरदार सरोवर परियोजना- गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र- इन चारों राज्यों के सूखाग्रस्त और रेगिस्तानी इलाकों में पानी की ज़रूरत को पूरा करने के लिए बनाया गया है। (ii) इसका मकसद गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में सिंचाई की सुविधा देना भी है। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।)**		
18.3	**यह परियोजना सतत विकास को कैसे बढ़ावा देती है? (2x1=2)** (i) सरदार सरोवर परियोजना इन राज्यों के सूखा-संभावित क्षेत्रों को पीने के पानी की सुविधा प्रदान करती है। (ii) यह कृषि भूमि के बड़े क्षेत्रों की सिंचाई करती है, जिससे बड़ी आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है। (iii) यह जल-विद्युत ऊर्जा भी उत्पन्न करती है, जो एक नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है। (iv) यह भूजल के पुनर्भरण को भी सुनिश्चित करती है, जिससे जल के सतत प्रबंधन को बढ़ावा मिलता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**		
19.	- **कृपया संलग्न मानचित्र देखिए।** **नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परिक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 19 के स्थान पर है। किन्हीं तीन का उत्तर लिखिए:** (i) उस बाँध का नाम लिखिए जो भारत में चिनाब नदी पर बनाया गया है। - **सलाल बांध** (ii) उस स्थान का नाम लिखिए जहां महाराष्ट्र में आणविक उर्जा संयंत्र स्थित है। - **तारापुर** (iii) उस स्थान का नाम लिखिए जहां तमिलनाडु में सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क स्थित है। - **चेन्नई** (iv) उस स्थान का नाम लिखिए जहां पंजाब में अंतर्राष्ट्रीय वायु पत्तन स्थित है। - **अमृतसर**		**3x1 =3** **1** **1** **1** **1**

	खंड – ग **राजनीति विज्ञान**		
20.	(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।	**3**	**1**
21.	(D) विभिन्न माँगों के समायोजन की सोच **नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर दिया गया है।** (D) नागरिकों के प्रति	**64** **65**	**1** **1**
22.	(A) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और भारतीय जनता पार्टी	**54-55**	**1**
23.	(B) केवल i , ii और iv सही हैं	**24-25**	**1**
24.	**अर्थव्यवस्था में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के कोई दो उपाय सुझाइए।** (i) कम ब्याज दर पर आसान ऋण उपलब्ध कराने से महिलाओं में उद्यमी बनने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा। (ii) व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने से महिलाओं को अपना व्यवसाय चलाने और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलगा। (iii) महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार को महिलाओं को केंद्र में रखकर स्टार्ट-अप योजनाएँ शुरू करनी चाहिए। (iv) महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार को सब्सिडी और कर लाभ देना चाहिए। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**31**	**2x1 =2**
25.	**लोकतंत्र और तानाशाही में अंतर स्पष्ट कीजिए।**	**64**	**2x1 =2**

लोकतंत्र	**तानाशाही**
(i) यह सरकार का एक रूप है जहाँ लोग अपने नेताओं का चुनाव करते हैं।	(i) सरकार का ऐसा रूप जिसमें शासक चुनने में लोगों की कोई भूमिका नहीं होती।
(ii) सरकार की लोगों के प्रति जवाबदेही होती है।	(ii) सरकार की लोगों के प्रति कोई जवाबदेही नहीं होती है।
(iii) शक्ति लोगों के पास होती है।	(iii) शक्ति एक व्यक्ति या लोगों के छोटे समूह के पास होती है।
(iv) नियमित अंतराल पर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव होते हैं।	(iv) चुनाव या तो होते नहीं या वे स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं होते।
(v) लोग अधिकारों और स्वतंत्रता का आनंद लेते हैं	(v) लोगों को अधिकार एवं स्वतंत्रता नहीं मिलती।
(vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	(vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

(अंतर के किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)

26.	**भारतीय संविधान केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों के वितरण को कैसे परिभाषित करता है? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।** संविधान ने स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच विधायी अधिकारों को तीन हिस्सों में बाँटा है। इसमें तीन सूचियाँ इस प्रकार हैं: (i) संघ सूची में राष्ट्रीय महत्व के विषय शामिल हैं, जैसे देश की रक्षा, विदेश मामले, बैंकिंग, संचार और मुद्रा। (ii) संघ सूची में बताए गए विषयों से जुड़े कानून केवल केंद्र सरकार ही बना सकती है, क्योंकि इन मामलों पर पूरे देश में एक जैसी नीति की ज़रूरत होती है। (iii) राज्य सूची में राज्य और स्थानीय महत्व के विषय शामिल हैं, जैसे पुलिस, व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, वन, ट्रेड यूनियन, विवाह, गोद लेना और उत्तराधिकार। (iv) इस सूची में बताए गए विषयों से जुड़े कानून राज्य सरकार बनाती है। (v) समवर्ती सूची में ऐसे विषय शामिल हैं जो केंद्र और राज्य, दोनों सरकारों की साझी दिलचस्पी में आते हैं, जैसे शिक्षा, वन, ट्रेड यूनियन, विवाह, गोद लेना और उत्तराधिकार। (vi) इन विषयों पर क़ानून बनाने का अधिकार राज्य सरकारों और केंद्र सरकार दोनों को ही है लेकिन जब दोनों के कानूनों में टकराव हो तो केंद्र सरकार द्वारा बनाया गया क़ानून ही मान्य होता है। (vii) इसके अलावा कुछ ऐसे विषय भी हैं, जैसे कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, जो संविधान बनने के बाद सामने आए। हमारे संविधान ने इन 'अवशिष्ट' विषयों पर कानून बनाने की शक्ति केंद्र सरकार को दी है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**16**	**3x1 =3**
27.(a)	**लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका की परख कीजिए।** (i) राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं। ज़्यादातर लोकतंत्रों में, चुनाव मुख्य रूप से राजनीतिक दलों द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवारों के बीच लड़े जाते हैं। (ii) दल अलग-अलग नीतियाँ और कार्यक्रम मतदाताओं के सामने रखते हैं और मतदाता अपनी पसंद की नीतियाँ और कार्यक्रम चुनते हैं। (iii) राजनीतिक दल तरह-तरह के विचारों को कुछ बुनियादी राय तक समेट लाती हैं जिनका वे समर्थ करते हैं। (iv) दल किसी देश के लिए कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। (v) दल हीं सरकार बनाते और चलाते हैं। नीतियाँ और बड़े फैसलों के मामले में निर्णय राजनेता हीं लेते हैं और ये नेता विभिन्न दलों के होते हैं। (vi) चुनाव हारने वाले दल शासक दल के विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते हैं। सरकार की गलत नीतियों और असफलताओं की आलोचना करने के साथ वह अपनी अलग राय भी रखते हैं। (vii) दल जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे मुद्दों को उठाते हैं और उनपर बहस करते हैं। (viii) दल लोगों की समस्याओं को लेकर आन्दोलन भी करते हैं। अक्सर विभिन्न दलों द्वारा रखी जाने वाली राय के इर्द-गिर्द हीं समाज के लोगों की राय बनती जाती है। (ix) दल हीं सरकारी मशीनरी और सरकार द्वारा चलाई जाने वाले कल्याण कार्यक्रमों तक लोगों की पहुँच बनाते हैं। एक आम नागरिक के लिए किसी सरकारी अधिकारी के बजाय किसी स्थानीय पार्टी नेता से संपर्क करना ज़्यादा आसान होता है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।)**	**48**	**5x1 =5**

	अथवा		
27.(b)	**लोकतांत्रिक सरकार में राजनीतिक दलों की आवश्यकता की परख कीजिए।** (i) बड़े और जटिल समाजों में, विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग विचारों को इकट्ठा करके सरकार की नज़र में लाने के लिए किसी माध्यम या एजेंसी की ज़रूरत होती है। (ii) एक ज़िम्मेदार सरकार बनाने के लिए प्रतिनिधियों को एक साथ लाने के लिए राजनीतिक दलों की ज़रूरत होती है। (iii) राजनीतिक दलों के न होने पर, चुनावों में हर उम्मीदवार स्वतंत्र या निर्दलीय होगा। इसलिए, कोई भी लोगों से किसी भी बड़े नीतिगत बदलाव के बारे में कोई चुनावी वायदा नहीं कर पाएगा। (iv) राजनितिक दलों के बिना सरकार बन जाएगी पर उसकी उपयोगिता संदिग्ध रहेगी। (v) सरकार का समर्थन करने या उस पर अंकुश रखने के लिए राजनीतिक दलों की ज़रूरत होती है। (vi) नीतियाँ बनवाने और उनका समर्थन अथवा विरोध करने के लिए राजनीतिक दलों की जरूरत होती है। (vii) लोगों को सरकारी तंत्र और कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच दिलाने के लिए राजनीतिक दलों की ज़रूरत होती है, क्योंकि लोगों की उनतक आसानी से पहुँच होती है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।)**	**49**	**5x1 =5**
28.	**दिए गए स्रोत को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** **सत्ता विभाजन** शासन के विभिन्न अंग, जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता का बँटवारा रहता है । इसे हम सत्ता का क्षैतिज वितरण कहेंगे, क्योंकि इसमें सरकार के विभिन्न अंग एक ही स्तर पर रहकर अपनी-अपनी शक्ति का उपयोग करते हैं । ऐसे बँटवारे से यह सुनिश्चित हो जाता है कि कोई भी एक अंग सत्ता का असीमित उपयोग नहीं कर सकता । हर अंग दूसरे पर अंकुश रखता है । इससे विभिन्न संस्थाओं के बीच सत्ता का संतुलन बनता है । लोकतांत्रिक संस्थाओं के बारे में 9वीं कक्षा में पढ़ते हुए हमने देखा था कि हमारे देश में कार्यपालिका सत्ता का उपयोग करती जरूर है पर यह संसद के अधीन कार्य करती है; न्यायपालिका की नियुक्ति कार्यपालिका करती है पर न्यायपालिका ही कार्यपालिका पर और विधायिका द्वारा बनाए कानूनों पर अंकुश रखती है । इस व्यवस्था को 'नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था' भी कहते हैं ।	**8**	**1+1 +2= 4**
(28.1)	**'शक्ति का संतुलन' शब्द की व्याख्या कीजिए। (1)** (i) कोई भी अंग सत्ता का असीमित उपयोग नहीं कर सकता। हर अंग दूसरे पर अंकुश रखता है। (ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।)**		
(28.2)	**लोकतंत्र में न्यायपालिका को स्वतंत्र क्यों माना जाता है? (1)** (i) न्यायपालिका की नियुक्ति कार्यपालिका द्वारा की जाती है, और वे कार्यपालिका पर और विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों पर अंकुश रखते हैं । (ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।)**		

(28.3)	**सरकार के विभिन्न अंगों के बीच शक्ति का आबंटन किस प्रकार होता है? (2x1=2)** (i) सरकार के तीन अंग हैं- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका । (ii) सरकार के विभिन्न अंग एक ही स्तर पर रहकर अपनी-अपनी शक्ति का उपयोग करते हैं और उनकी शक्तियां संविधान में लिखी गई हैं। (iii) विधायिका का काम कानून बनाना है। (iv) कार्यपालिका का काम कानून को लागू करना है (v) न्यायपालिका का काम कानूनों की व्याख्या करना और विवादों को सुलझाना है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**		
	खंड – घ **अर्थशास्त्र**		
29.	(A) 8200	**9**	**1**
30.	(B) सार्वजनिक क्षेत्रक	**33**	**1**
31.	(D) बैंक से	**43**	**1**
32.	(D) उदारीकरण	**64**	**1**
33.	(A) मानव विकास रिपोर्ट	**13**	**1**
34.	(B) प्रतिशत	**10**	**1**
35.	**'नयी प्रौद्योगिकी ने विश्व को आपस में जोड़ने में मदद की है।' उपयुक्त तर्कों के साथ इस कथन को न्यायसंगत ठहराइये।** (i) परिवहन प्रौद्योगिकी में उन्नति के कारण लंबी दूरियों तक वस्तुओं की तीव्रतर आपूर्ति कम लागत पर संभव हुई है। (ii) कंटेनरों की वजह से बंदरगाहों पर ढुलाई की लागत में भारी कमी आई है और माल को बाज़ारों में पहुँचाने की गति बढ़ गई है। (iii) वायु परिवहन की लागत कम हो गई है, जिससे वायु मार्गों द्वारा अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में वस्तुओं का परिवहन संभव हुआ है। (iv) दूरसंचार, कंप्यूटर और इंटरनेट के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी में तीव्र परिवर्तन के कारण विभिन्न देशों के बीच संबंधों में बढ़ोतरी हुई है। (v) दूरसंचार सुविधाओं (टेलीग्राफ, मोबाइल फोन सहित टेलीफोन, फैक्स) का उपयोग दुनिया भर में एक-दूसरे से संपर्क करने, तुरंत जानकारी पाने और दूरवर्ती क्षेत्रों से संवाद करने के लिए किया जाता है। (vi) सैटेलाइट कम्युनिकेशन उपकरण ने सूचना के आदान- प्रदान को बहुत तेज़ बना दिया है। (vii) इंटरनेट से हम तत्काल इलेक्ट्रोनिक डाक (ई-मेल) भेज सकते हैं और अत्यंत कम मूल्य पर विश्व- भर में बात (वायस मेल) कर सकते हैं। (viii) सूचना एवं दूरसंचार प्रौद्योगिकी ने विभिन्न देशों के बीच सेवाओं के विस्तार में बड़ी भूमिका निभाई है। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं को न्यायसंगत ठहराना अपेक्षित है।)**	**62**	**3x1 =3**

36.	**भारतीय अर्थव्यवस्था में रिज़र्व बैंक की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।** (i) भारत में, भारतीय रिज़र्व बैंक केंद्र सरकार की ओर से करेंसी नोट जारी करता है। (ii) भारतीय कानून के अनुसार, किसी दूसरे व्यक्ति या संस्था को मुद्रा जारी करने की अनुमति नहीं है। (iii) भारत में कोई भी व्यक्ति कानूनी तौर पर रुपये में अदायगी को मना नहीं कर सकता। (iv) भारतीय रिज़र्व बैंक ऋणों के औपचारिक स्त्रोतों की कार्यप्रणाली की निगरानी करता है। (v) भारतीय रिज़र्व बैंक इस बात पर नज़र रखता है कि बैंक अपने जमा किए गए नकद का एक न्यूनतम हिस्सा अपने पास रखते हैं। (vi) भारतीय रिज़र्व बैंक देखता है कि बैंक केवल लाभ अर्जित करने वाले व्यवसायियों और व्यापारियों को ही ऋण मुहैया नहीं करा रहे, बल्कि छोटे किसानों, छोटे उद्योगों, छोटे कर्ज़ लेने वालों को भी ऋण दे रहे हैं। (vii) समय-समय पर बैंकों द्वारा को भारतीय रिज़र्व बैंक को यह जानकारी देनी होती है कि वे कितना और किनको ऋण दे रहे हैं और उसकी ब्याज की दर क्या है? (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	**40,48**	**3x1 =3**
37.	**भविष्य के लिए विकास की धारणीयता को आवश्यक बनाने वाले मुद्दों का विश्लेषण कीजिए।** (i) विकास के वर्तमान प्रकार और स्तर ने पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुँचाया है और हवा, पानी, ज़मीन, मिट्टी जैसे प्राकृतिक संसाधनों को प्रदूषित किया है। (ii) प्राकृतिक संसाधनों के खत्म होने से आने वाली पीढ़ियों के लिए उनकी उपलब्धता खतरे में पड़ सकती है। (iii) यहाँ तक कि नवीकरणीय संसाधनों का भी समझदारी से इस्तेमाल किया जाना चाहिए। (iv) तेज़ औद्योगीकरण और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के कारण ग्लोबल वार्मिंग हुई है। (v) वनों की कटाई के कारण पेड़-पौधों और जानवरों की कई प्रजातियाँ विलुप्त हो रही हैं। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	**14**	**3x1 =3**
38. (a)	**प्राथमिक क्षेत्रक, द्वितीयक क्षेत्रक से किस प्रकार भिन्न है? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।**	**20**	**5x1 =5**

प्राथमिक क्षेत्र	द्वितीयक क्षेत्र
(i) प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किसी वस्तु का उत्पादन करते हैं।	(i) प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रक्रियाओं के माध्यम से अन्य रूपों में बदला जाता है।
(ii) यह कच्चा माल उत्पन्न करता है।	(ii) इसमें प्राथमिक क्षेत्रक के उत्पादों का उपयोग करके उन्हें निर्मित वस्तुओं में बदला जाता है।
(iii) हमें जो उत्पाद प्राप्त होते हैं, वे कृषि, डेयरी, मत्स्यन और वनों से आते हैं।	(iii) विनिर्माण का कार्य किसी वर्कशॉप या कारखाने में किया जाता है।
(iv) इसे कृषि और संबंधित क्षेत्र भी कहा जाता है।	(iv) इसे औद्योगिक क्षेत्र भी कहा जाता है।
(v) यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार बनता है।	(v) यह शहरी अर्थव्यवस्था का आधार बनता है।
(vi) उदाहरण- खेती, मछली पालन, खनन आदि।	(vi) उदाहरण- कपास से कपड़ा, गन्ने से चीनी, आदि।
(vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	(vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

(अंतर के किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)

38.(b)	**अथवा** **संगठित क्षेत्रक, असंगठित क्षेत्रक से किस प्रकार भिन्न है? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।**	30	5x1 =5

संगठित क्षेत्रक	असंगठित क्षेत्रक
(i) रोज़गार की शर्तें नियमित होती हैं। (ii) यह सरकारी नियमों और विनियमों का अनुपालन करता है जैसे कि कारखाना अधिनियम, न्यूनतम मज़दूरी अधिनियम आदि। (iii) संगठित क्षेत्रक के कर्मचारियों को रोज़गार की सुरक्षा प्राप्त होती है। (iv) उनसे केवल निर्धारित घंटों तक ही काम करने की अपेक्षा की जाती है। (v) यदि वे निर्धारित समय से अधिक काम करते हैं, तो नियोक्ता द्वारा उन्हें अतिरिक्त वेतन दिया जाता है। (vi) उन्हें सवेतन अवकाश मिलता है। (vii) भविष्य निधि (PF), सेवानुदान आदि का प्रावधान होता है। (viii) उन्हें चिकित्सा लाभ मिलने का भी प्रावधान होता है। (ix) सेवानिवृत्त होने पर, इन कर्मचारियों को पेंशन मिलती है। (x) उदाहरण- रेलवे, डाकघर आदि। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	(i) रोज़गार की शर्तें नियमित नहीं होतीं हैं। (ii) ये ज़्यादातर सरकार के नियंत्रण से बाहर होती हैं। नियम-कानून तो होते हैं, लेकिन उनका अनुपालन नहीं होता। (iii) असंगठित क्षेत्रक के मज़दूरों के पास रोज़गार की सुरक्षा नहीं होती। (iv) काम की अवधि निश्चित नहीं होती। (v) निर्धारित घंटों से अधिक काम करने पर भी अतिरिक्त वेतन का कोई प्रावधान नहीं होता। (vi) उन्हें सवेतन अवकाश नहीं मिलता। (vii) भविष्य निधि (PF), सेवानुदान आदि का कोई प्रावधान नहीं होता। (viii) उन्हें चिकित्सा लाभ नहीं मिलतीं। (ix) सेवानिवृत्त होने पर पेंशन का कोई प्रावधान नहीं होता। (x) उदाहरण- सड़क पर सामान बेचने वाले, घरेलू काम करने वाले, खेतिहर मज़दूर वगैरह। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

(अंतर के किन्हीं पाँच बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित है।)

प्रश्न सं. 9 और 19 के लिए मानचित्र
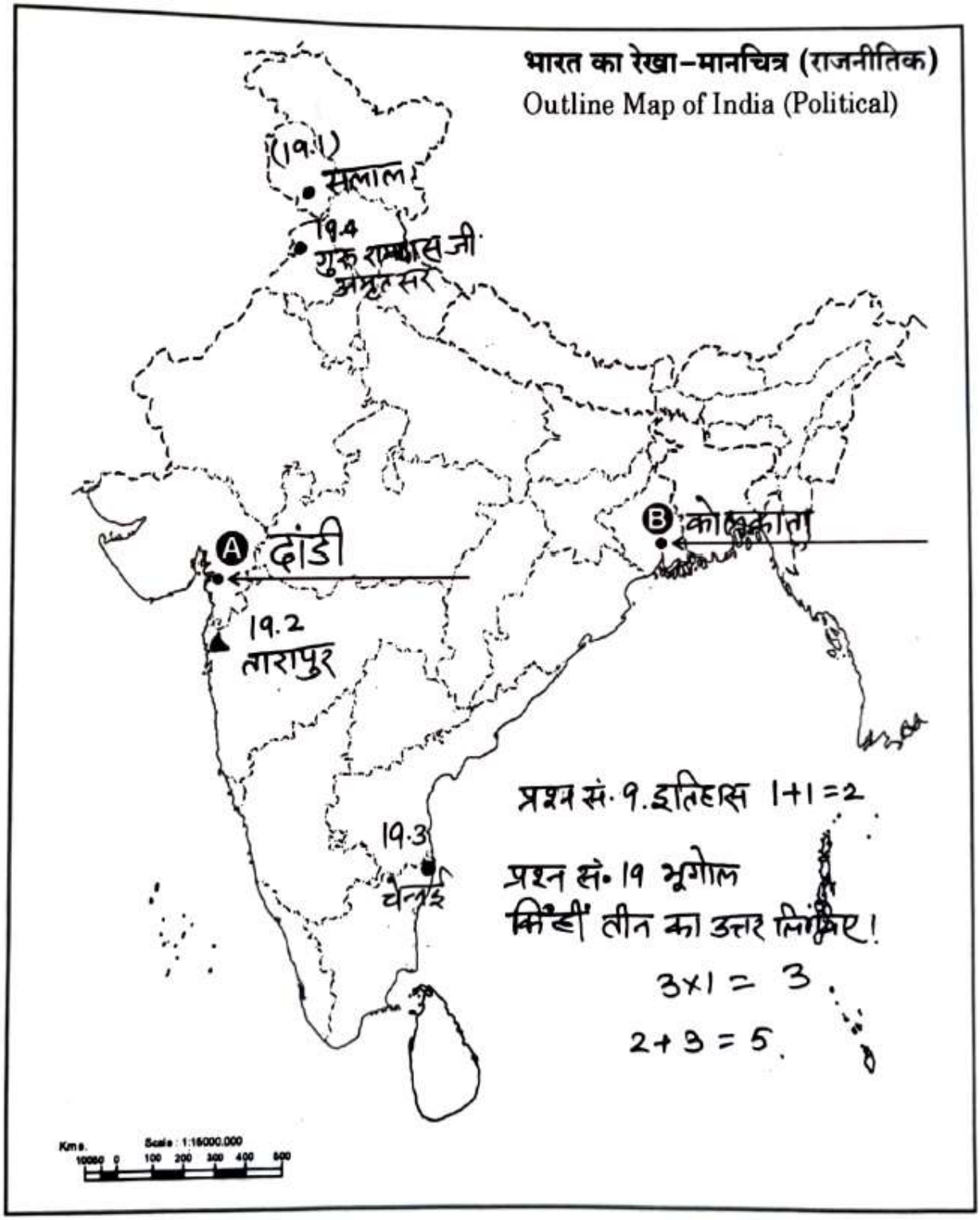
Map for Q. No. 9 and 19